Seat No. : _____

MA-II-128

April-2007

Hindi (Main)

Paper-V

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 100**

१. विकल्प चुनकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(२०)**

(१) 'प्रतीक' पत्रिका के सम्पादक कौन थे ?
(प्रेमचंद, रामचंद्र शुक्ल, अज्ञेय)

(२) अज्ञेयकृत 'आत्मनेपद' किस विधा की रचना है ?
(काव्य, निबंध, आलोचना)

(३) निम्न में से कौन-सा कवि फैंटेसी के लिए प्रसिद्ध है ?
(नागार्जुन, अज्ञेय, मुक्तिबोध)

(४) 'अंधेरे में' का काव्यरूप बतलाइए ।
(खंडकाव्य, महाकाव्य, लम्बी कविता)

(५) कौन-सा ग्रंथ कामाध्यात्म की भावभूमि पर आधारित है ?
(कामायनी, उर्वशी, आकाशगंगा)

(६) 'शुद्ध कविता की खोज' किसके द्वारा रचित ग्रंथ है ?
(आचार्य शुक्ल, दिनकर, मुक्तिबोध)

(७) 'कामायनी' को फैंटेसी किसने माना ?
(नंददुलारे बाजपेयी, इन्द्रनाथ मदान, मुक्तिबोध)

(८) निराला की कौन-सी कविता 'शोकगीत' मानी जाती है ?
(तुलसीदास, प्रेयसी, सरोज-स्मृति)

(९) 'निराला' की 'साहित्य-साधना' किसकी कृति है ?
(नामवरसिंह, अज्ञेय, डॉ. रामविलास शर्मा)

(१०) "प्रयोग का कोई वाद नहीं है ... प्रयोग अपने आप में इष्ट नहीं है, वह साधन है और दोहरा साधन है ।" – किसका कथन है ?
(नरेश मेहता, रामविलास शर्मा, अज्ञेय)

(११) 'राहों के अन्वेषी' किन कवियों को कहा जाता है ?
(दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक, तार सप्तक)

(१२) 'कुकुरमुत्ता' किस प्रकार की रचना है ?
(प्रकृतिप्रधान, प्रतीकात्मक, व्यंग्यप्रधान)

(१३) 'मतवाला' के संपादक कौन थे ?
(अज्ञेय, निराला, मुक्तिबोध)

(१४) श्री जयशंकर प्रसाद के 'ब्रजभाषा' का काव्य संकलन कौन सा है ?
(चित्रसारी, चित्राधार, चित्रावली)

(१५) 'नयी कविता' कौन से दशक की कविता है ?
(चौथे, पाँचवे, छट्ठे)

(१६) 'नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र' किसकी कृति है ?
(अज्ञेय, मुक्तिबोध, निराला)

(१७) उर्वशी-पुरूरवा का समागम किस पर्वत पर सम्पन्न हुआ ?
(गंधमादन, सुमेरु, कैलाश)

(१८) 'कामायनी : एक पुनर्विचार' किसकी कृति है ?
(डॉ. नगेन्द्र, मुक्तिबोध, अज्ञेय)

(१९) निरालाजी का प्रथम काव्य संग्रह कौन-सा है ?
(अनामिका, अणिमा, बेला)

(२०) 'नीचे जल था ऊपर हिम था, एक तरल और एक सघन' पंक्तियाँ किसकी हैं ?
(अज्ञेय, निराला, प्रसाद)

२. "कामायनी एक रूपकात्मक महाकाव्य है ।" – कथन की यथार्थता सिद्ध करें । **(१५)**

अथवा

'राम की शक्तिपूजा' की संवेदना और शिल्प को सविस्तार समझाइए ।

३. 'उर्वशी' के आधार पर पुरुरवा का चरित्र-चित्रण कीजिए । **(१५)**

अथवा

"अज्ञेय प्रेम के उदात्त एवं एकनिष्ठ रूप के मुखर गायक हैं ।" – कथन को उदाहरण सहित समझाइए ।

४. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : **(२०)**

(क) 'अंधेरे में' का विचार बोध **अथवा** 'मुक्तिबोध' का प्रतीक-विधान ।
(ख) 'भूल-गलती' कविता का भावजगत **अथवा** असाध्यवीणा का भाव-सौन्दर्य ।
(ग) कामायनी की काव्य भाषा **अथवा** कुकुरमुत्ता का व्यंग्य ।
(घ) मिश्रजी के गीत **अथवा** मिश्रजी की गजलें ।

५. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : **(३०)**

(क) "दिये हैं मैंने जगत को फूल-फल
किया है अपनी प्रभा से चकित-चल;
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल –
ठाट जीवन का वही
जो ढह गया है ।"

अथवा

"कवि जो होंगे हों, जो कुछ करते हैं करें
प्रयोजन मेरा बस इतना है –
ये दोनों जो
सदा एक-दूसरे से तनकर रहते हैं
कब, कैसे किस आलोक स्फुरण में
इन्हें मिला दूँ –
दोनों जो हैं बंधु, सखा चिर सहचर मेरे ।"

(ख) "किसने कहा तुम्हें, जो नारी नर को जान चुकी है,
उसके लिए अलभ्य ज्ञान हो गया परम सत्ता का;
और पुरुष जो आलिंगन में बाँध चुका रमणी को,
देशकाल को भेद गगन को उठने योग्य नहीं है ?"

अथवा

"मैं उसी चपल की धात्री हूँ, गौरव-गरिमा हूँ सिखलाती ।
ठोकर जो लगने वाली है, उसको धीरे से सहलाती ।"

(ग) "मुख है कि मात्र आँखें हैं वे आलोक भरी,
जो सतत तुम्हारी थाह लिए होतीं गहरी,
इतनी गहरी
कि तुम्हारी थाहों में अजीब हलचल
मानो अनजाने रत्नों की
अनपहचानी-सी चोरी में
धर लिए गए,
निज में बसने, कस लिए गए ।"

अथवा

"पगडंडियाँ रास्तों से, रास्ते कच्ची सड़कों से,
कच्ची सड़कें पक्की सड़कों से, पक्की सड़कें रेलों से
मुझे जोड़ती चली गईं
कस्बों, नगरों और प्रदेशों के कंधों से होती हुई,
छोटी यात्राएँ एक-एक को छोड़ती चली गईं
और मैं दिल्ली में आ गिरा ।
और मैं एक अजनबी बीमार भीड़ में दवा खोजने लगा ।"